गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

प्रेस विज्ञप्ति **दिनांक : 18.12.2011**

बिलासपुर : गुरु घासीदास विश्वविद्यालय में गुरु घासीदास जयंती के अवसर पर दिनांक 18 दिसम्बर, 2011 को कुल उत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ राज्य के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री अमर अग्रवाल ने कहा कि किसी प्रदेश की पहचान उस प्रदेश की संस्कृति एवं महापुरुषों के द्वारा जानी जाती है। छत्तीसगढ़ की धरती पर गुरु घासीदास जैसे महान सन्त ने जन्म लिया। संत किसी खास समुदाय या वर्ग से सम्बन्धित नहीं होता है वह पूरे समाज का होता है। इसीलिए कहा जाता है 'जाति न पूछो संत' की। संत ईश्वर का रूप होता है। ईश्वर ही समाज को सुमार्ग पर ले जाने के लिए संतों–महापुरुषों के रूप में जन्म लेते हैं। संत के बताये गये आदर्श मार्ग का अनुसरण सबको करना चाहिए।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि मदिरा एक सामाजिक बुराई है। सरकार इसे सिर्फ कानून बनाकर खत्म नहीं कर सकती है, इसके लिए समाज के हर व्यक्ति को आगे आना होगा तभी मदिरा का खात्मा किया जा सकता है।

अध्यक्षीय उद्‌बोधन में विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. लक्ष्मण चतुर्वेदी ने कहा कि जिन महापुरुषों की याद में जयंतियां मनायी जाती हैं उनकी जीवन शैली को अपनाने की आज ज्यादा जरूरत है। हमें उनके बताये मार्गों पर चलने और उसे आत्मसात करना चाहिए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय परिसर में मदिरा पर शख्ति से प्रतिबंध लगाया गया है। सबके सहयोग से ही विश्वविद्यालय का विकास होगा।

विशिष्ट अतिथि राज्य औद्योगिक विकास निगम के अध्यक्ष श्री बद्रीधर दीववान ने कहा कि बिना तप के सिद्धि नहीं मिलती। गुरु घासीदास ने सत्य बोलने पर बल दिया। कहा–मदिरा न पीओ लेकिन यह बुराई दिनोदिन बढ़ती जा रही है। जरूरत इस बात की है कि जब तक हम दृढ़ संकल्प नहीं लेते तब तक यह बुराई खत्म नहीं होगी।

विशिष्ट अतिथि राज्य अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष डॉ. कृष्णमूर्ति बांधी ने कहा कि गुरु घासीदास ने 'मनखे–मनखे एक हैं' व मानवधर्म का संदेश दिया। समाज में समानता कायम करने के लिए उनके बताये आदर्शों पर चलने की आवश्यकता है।

कार्यपरिषद सदस्य श्री जावेद उस्मानी ने कहा कि गुरु घासीदास ने सत्य का संदेश दिया। आवश्यकता इस बात की है कि अपने को सत्य के आलोक से आलोकित करें। मन के रावण को मारें और राम की अलख जगायें। आरंभ में कुलपति सहित सम्मानित अतिथियों ने मां सरस्वती की प्रतिमा एवं गुरु घासीदास के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीपप्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। बीएड की छात्राओं ने सरस्वती वन्दना एवं कुलगीत प्रस्तुत किया। अतिथियों का स्वागत छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. एस.व्ही.एस. चौहान ने किया। डॉ. टीआर रात्रे ने संत गुरु घासीदास के जीवन दर्शन पर प्रकाश डाला। उनके कर्णप्रिय भजनों से लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कुलसचिव प्रो.एम.एस.के. खोखर ने धन्यवाद ज्ञापन किया। अंत में पंथी नृत्य प्रतियोगिता की विजेता टीम ने पंथी नृत्य की मनोहारी प्रस्तुति की।

विविध प्रतियोगिताओं के विजेता–उपविजेता हुए पुरस्कृत

बिलासपुर : गुरु घासीदास विश्वविद्यालय में गुरु घासीदास जयंती एवं कुल उत्सव पर दिनांक 18 दिसम्बर, 2011 को विविध प्रतियोगिताओं के विजेता–उपविजेताओं को पुरस्कृत किया गया। पंथी नृत्य प्रतियोगिता में चैतन्य महाविद्यालय पामगढ़ की विजेता टीम को 11 हजार रुपये जबकि एस.एन.जी. महाविद्यालय मुंगेली की उपविजेता टीम को पांच हजार रुपये के पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इसी प्रकार वाद–विवाद प्रतियोगिता में विजेता बनी प्रबन्ध अध्ययनशाला में बी.काम. की छात्रा कुमारी तृप्ति कुजूर को दो हजार रुपये व उपविजेता रहीं शासकीय महाविद्यालय रायगढ़ की छात्रा कुमारी अमिता सिंह को एक हजार रुपये का पुरस्कार दिया गया। निबन्ध प्रतियोगिता में विजेता समाज विज्ञान अध्ययनशाला के बी.ए.तृतीय सेमेस्टर के छात्र मुकेश जायसवाल को दो हजार रुपये व उपविजेता सी.एस.आई.टी. से एम.सी.ए. के छात्र आशीष राठौर को एक हजार रुपये से सम्मानित किया गया। इसी क्रम में प्रश्नमंच के विजेता टीम मो. युसुफ व सुभाष वात्स्यायन को दो–दो हजार रुपये एवं उपविजेता टीम शिवेन्द्र एवं कमलेश अहिरवार को एक–एक हजार रुपये पुरस्कार स्वरूप दिये गये। इसी प्रकार छात्र–छात्राओं को छात्र कल्याण योजना के अन्तर्गत सुचित्रा रंगलानी, निकिता जकारिया, उज्ज्वल कुमार कर, केवीएल कम्मेश्वरी, अभिषेक भकत, विक्रम सिंह राजपूत, पारस जैन और कुमारी प्रीति शाह को 10–10 हजार रुपये के पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इसी प्रकार बीई आठवें सेमेस्टर

की निर्धन छात्रा पल्लवी दत्ता की फीस माफ की गयी। साथ ही बी.एड. के निःशक्त छात्र प्रेमजीत सिंह को पांच हजार रुपये की सहायता राशि प्रदान की गयी।

मीडिया प्रभारी